

അച്ഛാ യാ വൂദാ ക്യാ സമझू में.....
बच्चों का सवाल या सवाल...

सब कहते है पढाई करोगे तो.....
आगे बढ़ोगे..... तो बच्चे कहते
तो मैं क्या करूँ.....

हमेशा सुनती हूँ वो कितना इशियार
वो कितना अच्छा.....
तो इस में मैं क्या करूँ

क्या मैं अच्छी नहीं था.....
सच्ची नहीं
हूँ तो मैं भी एक बच्ची ना.....

बड़े लोग सिर्फ अपना सोचते
पढाई और अक्वल आना इस पर
छे छोड़ते.....
अक्वल नहीं आई तो मैं क्या करूँ.....



Item Code: 641



Participant Code: 041

कुछ कहते तुम अच्छी हो
कुछ कहते तुम बुरी हो

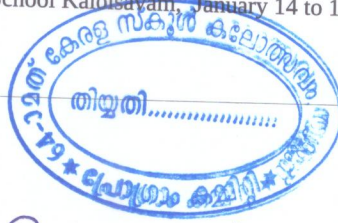
मैं सिर्फ यह कहती हूँ
तो मैं क्या करूँ

वाने बदल गई, लोग बदल गए
किसी से कुछ कह तो मैं क्या करूँ

रिश्ते हैं वहाँ पर सच है कुछ
किसमें है सच्चाई किसमें है बुराई

मैं अगर मदद की पुकार माँगू तो
कुछ कहते क्या मैं मदद करूँ पर
कुछ कहते तो मैं क्या करूँ

वाने बदल करन ^{दिखाने} पर करके तो कुछ
लोग ही असली इंसानियत भी तो
उन्हीं में है।



മൃതിയാ മേ അനിനത താമ है
कुछ अपने कुछ परा कभी-कभी तो अपने
ही धोखा देके कहते हैं इसमें मैं क्या करूँ
और परा क्या मैं मदद करूँ

“अपने तो अपने होते हैं
बाकी सब परा होते हैं”

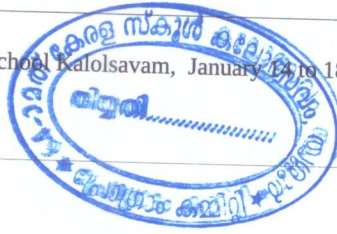
क्या यह सच है या झूठ

मृतिया में इन्सानियत तो कम है पर
वराई बढ़ती है

क्या एक दिन पूरी मृतिया ही बुरी
बन जाएगी। या अच्छाई की जीत होगी...

सब मतलबी है कौन बताए उन्हें
की उनके अलावा भी मृतिया है।

अपनी बात हो तो अरे क्या करूँ
बदना जा रे मैं क्या करूँ



ധർമ്മി മാँ को नुकसान पोहचाकर
अगर कोई अवाज उठाए तो उस यही है आता
तो मैं क्या करूँ

मुझे जीवों को चोट पोहचाकर
तो मैं क्या करूँ

अपने मतलब को आगे रखकर
दूसरो का बुरा चाहना कहा की है ~~अच्छाई~~
अच्छाई

अपना हँद हँद है दूसरो का नाटक
क्या आपको यही आता है । तो मैं
क्या करूँ

बच्चा की गलतियों पर माँ-बाप पर
सवाल उठता है तो क्या वो नही कह
सकते हैं मैं क्या करूँ



मन की सुनकर भी दिल की टाल नहीं पाई
क्या शायद इस लिए मैं कभी मैं क्या करूँ
राह कहे ना पाई ।

अपने भी कहते है कि मैं क्या करूँ
पराए भी कहते है कि मैं क्या करूँ
अब कैसे पता करूँ की कौन अच्छा
और कौन बुरा

दुनिया की बातें सीधी भी है कड़वी भी
अब मैं क्या करूँ सीधी बातों से खुश हूँ
या कड़वी बातों से कुछ सीखूँ

क्या भगवान भी कहते होंगे अपने - भक्तों से
तो मैं क्या करूँ

बहते बातें सुनी और बहते सुनाई पर....
हमेशा "तो मैं क्या करूँ" ही सुनना पड़ता ।



कुछ लोगों के लिए परिवार ~~सिर्फ~~ १ जनन है
कुछ लोगों का बोझ

माँ-बाप कुछ कहें # तो बच्चा का जवाब
सिर्फ एक ही है "तो मैं क्या करूँ"

इसको ^{बच्चा का} अलग मतलब समझे या ~~नहीं~~ नादानियाँ
माँ-बाप अपना बच्चा ~~बोल~~ के माफ़ कर देते

~~क~~ यही माँफ़ी एक दिन बड़ी सजा बन
जानी की उन्हें पता ही नहीं चलता

चीनी की ~~मिठा~~ मीठास बना देती है अच्छी चाय
पर इनसान की कड़वाहट बना देती है उसे भी
कड़वा काड़ा.

पर फिर भी वो कहना कि मैं
क्या करूँ चाय कड़वी मैं नहीं.

"तो मैं क्या करूँ"



കിഴാൻ അന്നീ ഫസൽ ഉമാകു
അമാർ അച്ഛി ഫസൽ ഉട് തീ മേരി ~~മഹന~~ മഹനതെ
വരണാ ജമീൻ കാ കയൂർ നീകാലകു
“തീ മേ കയാ കർ... കർ... കർ...”

പരിഷ്കാ മേ മേ പേൽ ഹി ജാർ തീ
ലീച്ചർ അച്ഛി സെ നഹി പഠാതീ ഹി
“തീ മേ കയാ കർ...”

ഓട ഹി ഓട “തീ മേ കയാ കർ...” ഹി
ശവകാ ശമാധാന നഹി ഹി

കമ്മീ കുള കർ കേ ശീ ദേഖനാ
ചാഹി പൂർ ഫീൽ പൂർ മന സെ തീ ഹിമാ ജീവൻ
ശഫൽ.

ഹമേഷാ കുള കർന കാ ഹിസലാ ഹി
നാ കീ ~~വ~~ റെട് ലഗാനാ “തീ മേ കയാ കർ...”
ചാഹി നാ കീ റെട് ലഗാനാ “തീ മേ കയാ കർ...”
ഓൽ കേ വൂപ ഹി ജാനാ.